जनवरी माह की साधनायें

नववर्ष शुभारम्भ साधना

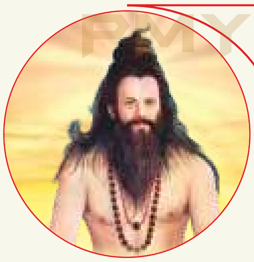

यदि जीवन में ऊब, निराशा, उदासी आई है, इसका अर्थ है, कि वह अधिक सजग चैतन्य व्यक्ति है, जो जीवन में कुछ नवीन करना चाहता है, यही सजग साधक की पहचान भी होती है।

नूतन वर्ष पर गुरूत्त्व स्थापन और समस्त साधनाओं में सिद्धि का इस साधना के माध्यम से वरदान प्राप्त होता है। इसी एक साधना द्वारा उसके लिये सिद्धियों के द्वार खुल जाते हैं। उक्त साधना जो कि दिनांक 01 .01.2025 को है जो कि दिसम्बर की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 12 से 14 पर आई हुई है ।

पुत्रेष्टि प्रयोग

निश्चय ही स्त्री की पूर्णता उसके संतानवती, पुत्रवती होने से जुड़ी है। संतान सौभाग्य का प्रतीक है। वह स्त्री जो संतानोत्पति के सौभाग्य से वंचित रह जाती है, उसे उसका जीवन बोझ की तरह लगने लगता है।

कालान्तर में इस प्रयोग के द्वारा ही कर्ण, युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल व सहदेव कुन्ती तथा माद्री के गर्भ से जन्म लिये थे।

अतः पुत्रेष्टि प्रयोग सटीक व शीघ्र फलदायी है। उक्त साधना जो कि दिनांक 10.01.2025 को है जो कि दिसम्बर की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 16 से 17 पर आई हुई है ।

शाकम्भरी प्रयोग

यदि जीवन में यश, वैभव, प्रतिष्ठा की कमी हो, चेहरे पर तनाव की रेखायें पड़ गई हों या प्रेम का अभाव हो, तो साधक को चाहिये कि वह इस ''शाकम्भरी प्रयोग'' को कर अपने जीवन की कमियों को पूरा कर ले।

''शाकम्भरी देवी' अपने आराधक को वह सब कुछ देने में समर्थ है, जो उसकी मनोकांक्षा है। समस्त जीवन को प्रेम, वैभव एवं प्रसन्नता से लबालब आपूरित कर देने वाली है यह अद्वितीय साधना। उक्त साधना जो कि दिनांक 13.01.2025 को है जो कि दिसम्बर की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 24 से 25 पर आई हुई है ।

मकर संक्रान्ति

जिस प्रकार एक छोटी-सी खिड़की खोलने पर कमरे का अंधकार पूरी तरह से समाप्त हो जाता है तथा उजाले का संचार हो जाता है, उसी प्रकार सूर्य की साधना के द्वारा एक छोटी-सी खिड़की खोलने भर से ही जीवन की दरिद्रता, जड़ता, मलिनता और चिंता आदि का अंत होने की क्रिया प्रारम्भ हो जाती है। उक्त साधना जो कि दिनांक 14.01.2025 को है जो कि दिसम्बर की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 26 से 28 पर आई हुई है ।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।